35303

Reg. No. | | | | | | | | |

III Semester B.B.A./B.B.A.M./B.HM Degree Examination, March/April - 2022

HINDI

Natak, Sarkaripatra Aur Sankshepan

(CBCS Semester Scheme Freshers and Repeaters 2019-20 Onwards)

Paper - III

Time : 3 Hours **Maximum Marks : 70**

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द या एक वाक्य में लिखिए:- (10×1=10)

1) जज के बेटे को सोने का मेडल किसके लिए मिला था?
2) चोर बम्बई छोड़कर कहाँ चला गया?
3) जज का असली नाम क्या है?
4) चोर को प्रोडयुसर के घर में कितने रूपये मिले थे?
5) रागिनी किसकी बेटी थी?
6) जज की बेटी कितने सालों बाद मायके आ रही थी?
7) चोर ने भोपाल में कौन सा काम शुरू किया?
8) खुदा का कानून तोडनेवालों को क्या कहा जाता है?
9) बहादूर सिंह ने पत्रकार की हत्या कैसे की थी?
10) "आधी रात के बाद" नाटक के रचनाकार कौन हैं?

II. किन्हीं दो का संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए:- (2×6=12)

1) "फोन तो करूँगा ही छोड़ थोडी दूँगा। लेकिन अदालत में गवाह के रूप में क्या बताऊँगा।"
2) "मेरा काम तो ब्लैक कॉफी से चल जायेगा, मैं तो आपके और आपके मेहमान के बारे में सोच रहा था।"
3) "पाप और पुण्य यह मनुष्य के अपने धर्म के शब्द हैं, जो खुदा का कानून तोड़ता है वह पापी है?"।
4) "अक्सर आपने देखा होगा ये लोग गरीब जनता के पैसे पर फ्राड़ करते हैं।"

III. "आधी रात के बाद" नाटक का सारांश लिखकर उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।" (1×12=12)

(अथवा)

'चोर' का चरित्र-चित्रण कीजिए।

[P.T.O.

IV. किसी एक पर टिप्पणी लिखिए:- (1×6=6)

1) पत्रकार।

2) जज।

V. पत्र लिखिए:- (कोई दो) (2×10=20)

1) राज्य में हिन्दी की प्रगति का विवरण देते हुए शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अवर सचिव के नाम शिक्षा संचालक कर्नाटक की ओर से एक सामान्य सरकारी पत्र लिखिए।

2) उपसचिव, स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत–सरकार की ओर से सभी राज्य के स्वास्थ्य विभाग के सचिवों को एक परिपत्र लिखिए जिसमें महामारी (कोरोना) को रोकने के लिए ठोस कदम उठाने की सूचना हो।

3) परिनता, उपनिदेशक, केरल सरकार शिक्षा विभाग की ओर से सुश्री ममता चावला, लिपिक की ७० दिन की अर्जित छुट्टी स्वीकार करते हुए एक कार्यालय आदेश लिखिए।

VI. संक्षेपण कीजिए:- (1×10=10)

औद्योगिकरण की कोई भी योजना तब तक सफल नहीं होती जब तक कि हम उसमें कुटीर उद्योगों को महत्वपूर्ण स्थान न दें। कारण स्पष्ट है। हमारी नागरिक अर्थव्यवस्था में ग्रामीण अर्थव्यवस्था महत्व रखती है। जब तक हम अपनी ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुधारने का प्रयत्न नहीं करते, तब तक राष्ट्र निर्माण के हमारे सारे कार्य अधूरे रहेंगे। गाँवो में शहरों के समान बृहतकाय उद्योगों के पनपने की सुविधाएँ नहीं हैं। न वहाँ यातायात और परिवहन के साधनों की, न शक्ति के साधनों की सुविधाएँ हैं और न उपयुक्त मात्रा में पूँजी का ही संगठन संभव है। गाँवो के वर्तमान वातावरण में कुटीर उद्योगों के ही समृद्ध होने की संभावना हैं।